बिहार विधान परिषद्

185वां सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग – 2

16 फाल्गुन, 1938 (श.)

मंगलवार, तिथि ----------

07 मार्च, 2017 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 29

1.	ऊर्जा विभाग	....	....	08
2.	स्वास्थ्य विभाग	....	....	14
3.	लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग	....	....	03
4.	अल्पसंख्यक कल्याण विभाग	....	....	02
6.	उद्योग विभाग	....	....	02

			कुल योग –	**29**

विद्युत की आपूर्ति

* 129. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के सुगौली प्रखंड की ग्राम पंचायत राज भरगावां के कौवाहा ग्राम में 30 वर्षों से विद्युत की सप्लाई बंद है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त स्थान के अगल-बगल की पंचायत यथा द. छपरा बहास, बेलवा पंचायत, बैरियाडीह इत्यादि पंचायतों के ग्रामों में विद्युत की आपूर्ति की जाती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सुगौली प्रखंड की ग्राम पंचायत राज भरगावां के कौवाहा ग्राम में विद्युत की आपूर्ति सरकार करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

डॉक्टर की पदस्थापना

* 130. **श्री सुमन कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत विस्फी प्रखंड की सिमरी पंचायत में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र डॉक्टर के अभाव में खुद बीमार होकर रह गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र विस्फी प्रखंड की 10-15 पंचायतों के लिए जीवन रक्षक केन्द्र बन सकता है;

(ग) क्या यह सही है कि विगत 30 वर्षों से एक भी चिकित्सक को स्थाई रूप से आजतक पदस्थापित नहीं किया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार सिमरी पंचायत के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्थायी रूप से एम.बी.बी.एस. डॉक्टर को पदस्थापित करना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों ?

स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना

***** 131. **डा. उपेन्द्र प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के डुमरिया प्रखंड अन्तर्गत पंचायत-नारायणपुर, ग्राम- चोन्हा की आबादी लगभग 3500 है, जहां स्वास्थ्य केन्द्र नहीं रहने की वजह से महिलाओं को प्रसव के समय काफी दूर जाना पड़ता है;

(ख) क्या यह सही है कि आपातकालीन स्थिति में महिलाओं को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं रहने से मृत्यु भी हो जाती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त ग्राम-चोन्हा में महिलाओं को तत्काल चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

बिजली मुहैया

***** 132. **श्री मंगल पांडेय** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य सरकार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन गुजर-बसर (बी.पी.एल) करने वाले एक करोड़ छः लाख साठ हजार परिवार की पहचान की थी, जिसके घर में बिजली की सुविधा प्राप्त नहीं थी;

(ख) क्या यह सही है कि ग्यारहवीं, बारहवीं योजना के अन्तर्गत केन्द्रीय एजेंसी रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से 31 नवम्बर को जारी रिपोर्ट के अनुसार बिहार में अबतक कुल 1 करोड़ 6 लाख 60 हजार 852 परिवार में मात्र 38 लाख आठ हजार 296 बी.पी.एल. परिवार को ही बिजली कनेक्शन दिया जा चुका है, बाकी 68 लाख 52 हजार बी.पी.एल. परिवार को बिजली कनेक्शन देना शेष है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार 'सात निश्चय' जिसके अन्तर्गत 'सभी के घर बिजली लगातार' के अन्तर्गत शेष बी.पी.एल. परिवार को बिजली मुहैया कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों, इसके लिए क्या योजना है ?

सर्वे का काम

* 133. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य सरकार ने प्रदूषित जल वाले गांव में घर-घर सर्वे करने एवं शुद्ध जल पहुंचाने का निर्देश दिया है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य की 3378 ग्राम पंचायतों के 25972 वार्डों में पानी की गुणवत्ता खराब है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार घर-घर का सर्वे का काम पूरा करा लेगी, यदि हां तो कबतक ?

रिक्त पदों पर बहाली

* 134. **श्री गुलाम रसूल** : क्या मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या मदरसा बोर्ड एवं मदरसों में नियुक्ति एवं शासी निकाय के गठन के लिए कोई नियमावली है;

(ख) क्या विभिन्न मदरसों में नियुक्ति प्रक्रिया में इस नियमावली का पालन किया जाता है;

(ग) वर्तमान में विभिन्न मदरसों में कुल कितने पद रिक्त हैं तथा सरकार इन रिक्त पदों पर सरकार कबतक बहाली करना चाहती है ?

कलेक्शन से मुक्ति

* 135. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया शहर एवं आसपास के क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर कमी को दूर करने के लिए इंडिया पावर कॉरपोरेशन, कोलकाता का निविदानुसार चयन किया गया, परन्तु 100 रुपये के स्टाम्प पर दूसरी कंपनी इंडिया पावर कॉरपोरेशन (बोधगया) के साथ किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि इसके तहत हर वर्ष उक्त कंपनी को 33 करोड़ रुपये इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च करने थे;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त कंपनी के द्वारा वर्ष 2014-15 में इन्फ्रास्ट्रक्चर के नाम पर मात्र 5 करोड़ 87 लाख रुपये का खर्च टूल्स और मीटर की खरीदारी पर दिखाया गया, जो उनकी खुद की संपत्ति है;

(घ) क्या यह सही है कि उक्त कंपनी विभाग के साथ हुए समझौते पर अमल नहीं कर रही है और इन्फ्रास्ट्रक्चर के नाम पर उसने सिर्फ लूटने का काम किया है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इंडिया पावर कॉरपोरेशन (बोधगया) लिमिटेड को गया जिला में विद्युत सप्लाई एवं रेवेन्यू कलेक्शन से मुक्त करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

भवन का निर्माण

***** 136. **श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बथनाहा प्रखंड के पंथ पाकर टोले ब्रह्मपुरी में उप स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत है परंतु भवनविहीन है;

(ख) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य केन्द्र नहीं बनने के कारण एन.एम. एवं मरीज बेकार बैठे रहते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त उप स्वास्थ्य केन्द्र की जमीन पर शीघ्र भवन निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

चापाकलों का निर्माण

* 137. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि मुख्यमंत्री चापाकल योजना के अंतर्गत वर्ष 2012-13 में गोपालगंज जिले में विधान परिषद् के सदस्यों ने चापाकल की अनुशंसा की है;

(ख) क्या यह सही है कि अभी तक तीन वित्तीय वर्ष में एक भी चापाकल का निर्माण नहीं किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त चापाकलों का निर्माण कबतक करने का विचार रखती है ?

कार्रवाई पर विचार

* 138. **श्री रजनीश कुमार एवं श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में 2012 के दौरान बहुचर्चित घोटाला मामला प्रकाश में आया था;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य मानवाधिकार आयोग ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि तीन महीने के अंदर सभी पीड़ित महिलाओं को मुआवजे की राशि सीधे उनके बैंक एकाउन्ट में ट्रांसफर करें;

(ग) क्या यह सही है कि सात माह से ज्यादा समय बीतने के बाद भी अब तक पीड़ित महिलाओं को मुआवजे की राशि नहीं मिली है तथा दूसरे दोषी डॉक्टर एवं निजी अस्पतालों से मुआवजा राशि वसूल नहीं की गई है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार गर्भाशय घोटाला की पीड़ित महिलाओं को मुआवजा राशि शीघ्र देने एवं दोषी डॉक्टर एवं निजी अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

बिजली की आपूर्ति

***** 139. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के आरा शहर में और बक्सर जिला के बक्सर शहर में बिजली का तार पुराना और जर्जर है और बिजली का पोल भी इधर-उधर गाड़ा गया है;

(ख) क्या यह सही है कि बिजली का तार पुराना और जर्जर होने के कारण शहर में कभी भी बड़ी से बड़ी दुर्घटना की संभावना बनी रहती है;

(ग) क्या यह सही है कि बिजली का तार जर्जर रहने के कारण बिजली की आपूर्ति ठीक से नहीं होती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक जर्जर तार और बिजली का पोल बदलना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पानी टंकी का निर्माण

***** 140. **श्री सच्चिदानन्द राय** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि छपरा जिलान्तर्गत प्रखंड-लहलादपुर के समीप वित्तीय वर्ष 2006-2007 में दो लाख गैलन क्षमता वाली पानी टंकी का निर्माण कराया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पानी टंकी के मोटर को संचालित करने के लिए एक ऑपरेटर की नियुक्ति की गई है;

(ग) क्या यह सही है कि सभी संसाधनों के बावजूद उक्त पानी टंकी को निर्माण अवधि से आज तक चालू नहीं किया जा सका है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' में वर्णित पानी टंकी को चालू करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

कारोबारियों पर लगाम

***** 141. **श्री लाल बाबू प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार में नकली दवा कारोबारियों का अफसरों के साथ कनेक्शन है;

(ख) क्या यह सही है कि पटना पुलिस को नकली दवा करोबारियों का मोबाइल नम्बर भी हाथ लगा है, परन्तु कोई कार्रवाई नहीं की गई है;

(ग) क्या यह सही है कि 25 लाख रुपये की नकली दवाइयां भी बरामद हुई हैं तथा पूरे बिहार में इसकी आपूर्ति भी की जाती रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार नकली दवा कारोबारियों पर लगाम लगाने के लिए क्या कार्रवाई कर रही है, कितने नकली दवा कारोबारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, नहीं तो क्यों ?

ससमय इलाज

***** 142. **श्री रणविजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत अगिआंव प्रखंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में घोर कुव्यवस्था एवं लापरवाही का आलम है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त केन्द्र में चिकित्सकों एवं कर्मियों के आने-जाने में अपनी मनमानी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार अगिआंव प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में कुव्यवस्था खत्म करना चाहती है, ताकि लोगों का इलाज ससमय हो सके, यदि नहीं तो क्यों?

बिजली की आपूर्ति

***** 143. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि मुख्यमंत्री के सात निश्चय के अंतर्गत घर-घर बिजली पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है;

(ख) क्या यह सही है कि गया जिला के कोंच प्रखंड अंतर्गत परसामा, रजौरा, तरारी, कुरकट्टी सहित दर्जनों गांव आजादी के 68 साल बीतने के बावजूद बिजली के अभाव में अंधेरे में रहने को मजबूर हैं;

(ग) क्या यह सही है कि तरारी गांव के संजय साव एवं अन्य ग्रामीणों द्वारा कई बार निजी कंपनी के पदाधिकारियों से शिकायत के बावजूद इनको आज तक बिजली की आपूर्ति नहीं की जा रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' में वर्णित गांवों में बिजली की आपूर्ति घर-घर सुनिश्चित करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

रजिस्ट्रेशन रद्द

***** 144. **श्री रामलषण राम 'रमण'** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि कार्यालय क्षेत्रीय उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर के ज्ञापांक 785, दिनांक -16.12.05 द्वारा डॉ. शम्भुनाथ झा को एम.डी. (रेडियो) गलत ढंग से दर्शा कर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गायघाट, मुजफ्फरपुर में पदस्थापित किया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि श्री झा वर्तमान में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बेनीपट्टी, मधुबनी में पदस्थापित हैं साथ ही प्राथमिक शिक्षक संघ बेनीपट्टी, मधुबनी के भवन में अपना अल्ट्रासाउंड की क्लिनिक चलाते हैं;

(ग) क्या यह सही है कि श्री झा के पास एम.डी. (रेडियो) की डिग्री नहीं है, फिर भी विभागीय पदाधिकारियों की मिलीभगत से निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं, बिहार के पत्रांक 394(12), दिनांक 22.04.2016 में निहित प्रावधानों के विरुद्ध अल्ट्रासाउंड सेंटर के लिए रजिस्ट्रेशन दिया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'ग' में वर्णित पत्र के विरुद्ध कैसे श्री झा को अल्ट्रासाउंड सेंटर चलाने के लिए रजिस्ट्रेशन दिया गया है तथा इसमें संलिप्त पदाधिकारियों पर कार्रवाई एवं श्री झा का अल्ट्रासाउंड चलाने का रजिस्ट्रेशन रद्द करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

स्थानान्तरण करने पर विचार

***** 145. **श्रीमती रीना देवी** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि सरकारी नियमानुसार राजपत्रित पदाधिकारी का स्थानान्तरण तीन वर्षों के बाद किये जाने का प्रावधान है, जबकि स्वास्थ्य विभाग में कई पदाधिकारी एक ही जगह पर 10 वर्षों से अधिक समय से पदस्थापित हैं;

(ख) क्या यह सही है कि गया जिला के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, महकार में डा. नरेन्द्र कुमार सिंह, चिकित्सा पदाधिकारी विगत 10 वर्षों से अधिक समय से पदस्थापित हैं;

(ख) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार खंड 'ख' में वर्णित पदाधिकारी का स्थानान्तरण दूसरी जगह करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक और नहीं तो क्यों ?

नीति को प्रोत्साहन

***** 146**. श्री सूरजनन्दन प्रसाद** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि उद्योग लगाने के लिए उद्यमी को मिलने वाली सुविधा में जो उद्यमी को 11 सुविधाएं उद्योग लगाने पर सरकार का पूंजीगत अनुदान के रूप में प्लास्टर एवं मशीनरी के लिए 20 फीसदी और अधिकतम 75 रुपये की सब्सिडी देती थी, उसे समाप्त कर दिया गया है, बड़े उद्योग को 20 फीसदी पूंजीगत अनुदान अधिकतम पांच करोड़ था उसे बंद कर दिया गया, फूड प्रोसेसिंग उद्योग को 35 फीसदी का अनुदान दिया गया था, उसे खत्म कर दिया गया, इसी तरह ऋण लेने में केवल व्यय में छूट का प्रावधान है, उसे खत्म कर दिया गया है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार औद्योगिक नीति को प्रोत्साहन देने के लिए 11 तरह की रियायतें, जो उद्यमी को दी जाती थीं, उसे चालू रखना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

सुविधा मुहैया

***** 147. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अल्पसंख्यक छात्रों के शैक्षणिक विकास हेतु हर जिले में सरकार द्वारा छात्रावास खोले गये हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उन छात्रावासों के रख-रखाव एवं निरीक्षण की जिम्मेदारी संबंधित अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी को सौंपी गई है;

(ग) क्या यह सही है कि मुंगेर, मधेपुरा एवं कैमूर को छोड़कर किसी जिले में अल्पसंख्यक छात्रावास का निरीक्षण नहीं हुआ;

(घ) क्या यह सही है कि उक्त छात्रावासों में बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण छात्रों को कई प्रकार की परेशानियां झेलनी पड़ती हैं;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य के अल्पसंख्यक छात्रावासों में बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने एवं इनका जीर्णोद्धार का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

प्रोफेसर की नियुक्ति

***** 148. **डा. रामवचन राय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि मेडिकल संस्थानों में सीनियर रेजिडेन्ट की नियुक्ति तीन वर्षों के लिए की जाती है और सरकार द्वारा उन्हें निर्धारित राशि दी जाती है;

(ख) क्या यह सही है कि बिहार सरकार के नियमानुसार मेडिकल कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर की अर्हता के लिए सीनियर रेजिडेंसी कोर्स की डिग्री अनिवार्य है;

(ग) क्या यह सही है कि राज्य में सैकड़ों सीनियर रेजिडेन्ट डॉक्टर बेरोजगार हैं और वर्षों से असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति नहीं हो रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक चिकित्सा संस्थानों में असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति करना चाहती है?

उचित कार्रवाई

***** 149. **श्री हीरा प्रसाद बिन्द** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि पटना नगर निगम के वार्ड नं.-30 के मुहल्ला हरिश्चन्द्र नगर, सिपारा (कृषि फार्म के दक्षिण) में नया ढलाई रोड के किनारे लगा हुआ ट्रांसफार्मर एवं बिजली का तार जर्जर स्थिति में है, तथा बिजली तार 3-4 फीट की ऊंचाई पर ही झूल रहा है, जिसके कारण आये दिन हमेशा दुर्घटनाएं हो रही हैं;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित ट्रांसफार्मर एवं तार को बदलने जगह-जगह आवश्यकतानुसार नया पोल लगाने हेतु निविदा भी हो चुकी है (प्राक्कलन सं.-141/08 एम./15-16)। बावजूद इसके विभागीय पदाधिकारियों की लापरवाही के कारण अबतक कार्य प्रारंभ नहीं कराया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार मुहल्ला-हरिश्चन्द्र नगर, सिपारा नया ढलाई रोड के किनारे लगा हुआ जर्जर बिजली तार एवं ट्रांसफार्मर को बदलने तथा लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों/कर्मचारियों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

मानदेय का भुगतान

***** 150. **श्री शिवप्रसन्न यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि एड्स कन्ट्रोल सोसाइटी के क्षेत्रीय कर्मियों के बकाया मानदेय का भुगतान समिति के पास आवंटन उपलब्ध रहने के बावजूद अभी तक नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि क्षेत्रीय कर्मियों का बकाया मानदेय का भुगतान नहीं होने के कारण उन कर्मियों का परिवार आर्थिक कठिनाइयों के दौर से गुजर रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार एड्स कन्ट्रोल सोसाइटी के क्षेत्रीय कर्मियों का बकाया मानदेय भुगतान करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पदस्थापना कबतक

***** 151. **श्री राजन कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिला के सदर अस्पताल में वरीय चिकित्सक की पदस्थापना गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेन्द्र पर की गयी है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त चिकित्सक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उपकेन्द्र पर अपना समय नहीं देकर निजी क्लिनिक चलाते हैं;

(ग) क्या यह सही है कि वरीय चिकित्सक सदर अस्पताल में पदस्थापित नहीं रहने के कारण गांव की भोली-भाली जनता उक्त चिकित्सक की निजी क्लिनिक पर भीड़ लगाती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार वरीय चिकित्सक की पदस्थापना कबतक करना चाहेगी,, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

उपस्थिति सुनिश्चित

***** 152. **श्री संतोष कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि कैमूर जिला के मोहनियां प्रखंड की बघनी पंचायत के ग्राम बघनी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थित है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में नियमित चिकित्सकों के नहीं रहने से मरीजों को काफी परेशानी होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त केन्द्र पर चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

रक्त अधिकोष की स्थापना

***** 153. **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में जमुई, अररिया सहित 6 जिलों में रक्त अधिकोष नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य में 100 प्रतिशत में 16 प्रतिशत लोगों को ही समय पर रक्त मिल पाता है जबकि 84 प्रतिशत लोग पेशेवर रक्तदाताओं से अपनी जरूरत पूरी करते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो राज्य सरकार कबतक बाकी के जिलों में रक्त अधिकोष की स्थापना करते हुए रक्त कोष में अधिक रक्त के इजाफा हेतु कौन-सा ठोस कदम उठा रही है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

आदेश नहीं

***** 154. **श्री संजय प्रसाद** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि जमुई जिला के ग्राम सनकुरहा में देवघर इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के नाम से राइस मिल के लिए दिनांक 22.12.2016 को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हेतु अप्लाई किया गया था जिसका एप्लिकेशन आई.डी.नं. एस. आई. पी. बी. 20161222083 है;

(ख) क्या यह सही है कि उद्योग विभाग के द्वारा विभागीय पदाधिकारियों को स्वीकृति आदेश हेतु दिनांक 12.01.2017 को बैठक में स्वीकृति प्रदान की जानी थी लेकिन अभी तक मिल संचालन से संबंधित आदेश नहीं दिया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार देवघर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का निबंधन कराकर चालू कराने के प्रति विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पावर स्टेशन का निर्माण

***** 155. **श्री विजय कुमार मिश्र** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सुपौल पावर सब-स्टेशन से सुपौल के उत्तर किशनपुर प्रखंड के राजपुर गांव, पश्चिमी बैरिया पंचायत, धुरन पंचायत, पिपराखुर्द आदि पंचायत के गांव में एक ही फीडर से काफी लम्बी दूरी तक बिजली की आपूर्ति की जाती है;

(ख) क्या यह सही है कि लम्बी दूरी तक इस फीडर से बिजली आपूर्ति होने के कारण बराबर कुछ न कुछ तकनीकी खराबी होती रहती है;

(ग) क्या यह सही है कि अब किसानों को भी खेती के लिए बिजली देने की सरकार ने घोषणा की है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बैरिया, डभारी अथवा परसा इत्यादि गांव के समीप एक नया पावर सब-स्टेशन निर्बाध विद्युत आपूर्ति कराने हेतु बनाना चाहती है?

चिकित्सा में सहायता

***** 156. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत कुष्ठ निवारण कार्यालय में चिकित्सा समाज सेवक के सभी पद रिक्त होने के कारण जिला के लगभग तीन हजार कुष्ठ रोगियों एवं इतनी ही संख्या में कुष्ठ रोग के कारण विकलांग हुए रोगियों की चिकित्सा में काफी व्यवधान हो रहा है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार अविलंब चिकित्सा समाज सेवक के पदों पर प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या नियमानुसार जो उचित हो अविलंब पदस्थापन करना चाहती है ताकि कुष्ठ रोगियों की चिकित्सा में सहायता मिल सके, यदि हां तो कबतक?

विद्युत की आपूर्ति

***** 157. **श्री मो. तनवीर अख्तर** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि जिला समस्तीपुर, थाना-दलसिंहसराय, वार्ड नं. 9, ग्राम-सरदारगंज में प्रत्येक घर में बांस के पोल के सहारे विद्युत की आपूर्ति की जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि वहां के प्रत्येक घर में विद्युत मीटर लगा दिया गया है और सभी उपभोक्ता प्रत्येक माह विद्युत विपत्र का भुगतान भी कर रहे हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार जनहित में 100 के वी ए का ट्रांसफार्मर लगाते हुए उक्त कॉलोनी में बांस के स्थान पर पोल पर तार लगाकर विद्युत आपूर्ति करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पटना
दिनांक 07 मार्च, 2017 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्